मुख्यमंत्री भजनलाल की घोषणा के मुताबिक 'हाईटेक सिटी' को जयपुर में धरातल पर उतारने की तैयारियां

बताया जा रहा है कि नगरीय विकास विभाग और जयपुर विकास प्राधिकरण ने राजधानी जयपुर के नजदीक फागी, चाकसू और आगरा रोड पर सर्वे का कार्य पूरा करवा लिया है

- **राजस्थान सरकार इस प्रोजेक्ट में गुजरात की 'गिफ्ट सिटी' और हैदराबाद के 'साइबराबाद' की तर्ज पर सुविधाएं विकसित करेगी**
- **माना जा रहा है कि जयपुर में प्रस्तावित ''हाईटेक सिटी'' में हाईटेक टाउनशिप, आई.टी., फिनटेक, फाइनेंशियल मैनेजमेंट सहित कई आधुनिक तकनीक पर काम करने वाली संस्थानों को इसमें स्थापित किया जाएगा।**
- **जयपुर में यह 'हाईटेक सिटी' विकसित करने से न सिर्फ शहर की अर्थव्यवस्था का पहिया तेज गति से घूमेगा, बल्कि हजारों युवाओं को रोजगार भी मिलेगा, क्योंकि वर्तमान में आई.टी.क्षेत्र से जुड़े युवा हैदराबाद, अहमदाबाद, गुरुग्राम जैसे शहरों का रुख कर रहे हैं।**

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। राजधानी जयपुर में ''हाईटेक सिटी'' की तैयारी तेजी से चल रही है। जमीन को लेकर फागी, चाकसू और आगरा रोड पर सर्वे हो गया है। माना जा रहा है कि जयपुर की हाईटेक सिटी को हैदराबाद के साइबराबाद और अहमदाबाद के गुजरात इंटरनेशनल फाइनेंस टेक (गिफ्ट) सिटी की तर्ज पर विकसित करने की तैयारी है। यही वजह है कि पूर्व में जयपुर विकास प्राधिकरण (जे.डी.ए.) की एक टीम ने अहमदाबाद का दौरा किया था और रिपोर्ट बनाकर राज्य सरकार को भेज दी है।

गौरतलब है कि फरवरी में राज्य सरकार ने अपने पहले बजट लेखानुदान में हाईटेक सिटी की घोषणा की थी। सूत्रों की मानें तो मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की बजट घोषणा के मुताबिक जयपुर में प्रस्तावित ''हाईटेक सिटी'' में हाईटेक टाउनशिप, आई.टी., फिनटेक, फाइनेंशियल मैनेजमेंट सहित कई आधुनिक तकनीक पर काम करने वाली संस्थानों को इसमें स्थापित किया जाएगा। ऐसा करने से न सिर्फ शहर की अर्थव्यवस्था का पहिया तेज गति से घूमेगा, बल्कि हजारों युवाओं को रोजगार भी मिलेगा। वर्तमान में आई.टी.क्षेत्र से जुड़े युवा हैदराबाद, अहमदाबाद, गुरुग्राम सहित अन्य शहरों की रुख कर रहे हैं। सूत्रों की मानें तो जयपुर में हाईटेक सिटी तैयार होने के बाद भविष्य में देश-विदेश की कम्पनियां यहां निवेश करेंगी, इससे रोजगार के द्वार खुलेंगे। आई.टी. हब, साइबर सिटी सहित स्टार्टअप शुरू किए जाएंगे। एक्सपर्ट्स की मानें तो अहमदाबाद की गिफ्ट सिटी के काम में तेजी आते ही वहां के रियल एस्टेट मार्केट में भी ग्रोथ हुई है।

ज्ञात रहे कि नगरीय विकास विभाग के प्रमुख सचिव वैभव गालरिया को बीते दिनों बोस्टन कंसल्टिंग ग्रुप (बीसीजी) ने जयपुर विकास प्राधिकरण मुख्यालय में हाईटेक सिटी को लेकर प्रजेंटेशन दिया। प्रोजेक्ट लीडर रमन ने हाईटेक सिटी विकसित करने के विकल्पों, इसके लाभ और रोजगार को लेकर जानकारी दी। प्रजेंटेशन के दौरान उन्होंने शहर से हाईटेक सिटी की कनेक्टिविटी, मिक्स यूज जोनिंग, सोशल इंफ्रास्ट्रक्चर, स्मार्ट सिटी इन्फ्रास्ट्रक्चर, क्वालिटी यूटीलिटी इंफ्रास्ट्रक्चर आदि के बारे में जानकारी दी।

बैठक में बताया गया कि हाईटेक सिटी को पहचान दिलाने के लिए सरकार रियायत दे ताकि निवेश के लिहाज से कम्पनियां आएं। निवेशकों, डपलपर्स से सम्पर्क साधा जाए। उनको प्रोत्साहित किया जाए।

बैठक में वैभव गालरिया ने बताया कि फागी, चाकसू और आगरा रोड पर जमीन का सर्वेक्षण करवाया जा रहा है।

गौरतलब है कि वर्तमान में देश में दो बड़ी हाईटेक सिटी है। इनमें गुजरात के अहमदाबाद की ''गिफ्ट सिटी'' में अभी 450 से अधिक कम्पनियां हैं और यहां 20 हजार से अधिक युवाओं को रोजगार मिल रहा है। वर्ष 2020 में यहां 129 कंपनियां थीं। इसी तरह हैदराबाद के ''साइबराबाद'' में आईटी कॉरिडोर में माइक्रोसॉफ्ट, विप्रो, टीसीएस से लेकर इंफोसिस जैसी नामी कम्पनियों के कार्यालय हैं। आइटी क्षेत्र के काम करने वाले हर युवा का सपना साइबराबाद में काम करने का होता है।

सूत्रों की मानें तो जे.डी.ए. की एक टीम ने अहमदाबाद, पुणे और हैदराबाद का दौरा किया। रिपोर्ट राज्य सरकार को भेजी जा चुकी है। फागी में जेडीए के पास करीब 400 हेक्टेयर जमीन उपलब्ध है। वहीं, आगरा रोड स्थित रिंग रोड के पास जेडीए की 100 हेक्टेयर जमीन है। वहीं, बस्सी में जेडीए के पास जमीन कम है। यहां जमीन अवाप्त करनी पड़ेगी।

सूदखोरों से तंग आकर बिजनेसमैन ने घर छोड़ा

- **पीड़ित व्यापारी ने अपने परिजनों के नाम पत्र छोड़ा, जिसमें लिखा है कि ''उसने 5 लाख रु. उधार लेकर 17.50 लाख रु. चुका दिए, फिर भी उससे 5.72 लाख रु. और मांगे जा रहे हैं, इसलिए मेरे पास अब मरने के सिवा और कोई रास्ता नहीं है।''**

जयपुर। दिवाली से एक दिन पहले, सूदखोरों की धमकियों से परेशान होकर राजधानी जयपुर के प्रताप नगर इलाके में एक बिजनेसमैन घर छोड़कर चला गया। जाने से पहले उसने अपने परिवार को तीन पत्र लिखकर पीड़ा व्यक्त की। इनमें से एक पत्र मुख्यमंत्री को संबोधित है, जबकि दो अन्य परिवार के लिए हैं। बताया जा रहा है कि पत्र में व्यवसायी ने लिखा है कि, उसने 5 लाख रुपए उधार लेकर अब तक 17.50 लाख रुपए चुका दिए हैं, लेकिन सूदखोर अब भी 5.72 लाख रुपए का दावा कर उसे धमकियां दे रहे हैं।

पीड़ित ने लिखा कि 'मेरे पास मरने के अलावा कोई रास्ता नहीं बचा है, मेरा शव पानी में मिलेगा। मामला प्रताप नगर इलाके का है। रिपोर्ट मिलने के बाद पुलिस ने व्यवसायी की तलाश शुरू कर दी है। गोमती अपार्टमेंट, प्रताप नगर निवासी ममता सैनी ने इस संबंध में रिपोर्ट दर्ज करवाई कि उनके पति कमल किशोर सैनी कुर्तियों का ऑनलाइन व्यवसाय करते हैं, उन्होंने मई 2016 में रामफूल और अभिषेक पारीक से 5 लाख रुपए उधार लिए थे। कमल ने 17.50 लाख रुपए चुकाए, फिर भी सूदखोर धमकी देते रहे और लगातार अवैध वसूली का दबाव बनाते रहे। दो गाड़ियां भी छीन ले गए। धमकियों और वसूली से परेशान होकर दिवाली से एक दिन पहले कमल घर छोड़कर चले गए। उनका मोबाइल भी बंद आ रहा है, जिससे उनका पता नहीं चल सका है। ममता ने रिपोर्ट में यह भी बताया कि उनके पति से जबरन कागजात पर हस्ताक्षर करवा लिए गए थे। इसके अलावा, रामफूल ने मोबाइल पर रिवॉल्वर की फोटो भेजकर धमकाया, जो कमल ने सुरक्षित रखने के लिए ममता को भेज दी थी। उनके लिखे हुए तीन पत्र फ्रिज के ऊपर रखे मिले, जिनमें से एक में उन्होंने सूदखोरों की धमकियों और वसूली के बारे में लिखा है।

भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ ने सालासर बालाजी मंदिर में की पूजा

राजस्थान के विधानसभा उपचुनाव में सातों सीटों पर भाजपा की जीत के लिए भगवान से प्रार्थना की

जयपुर (कासं)। भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ ने रविवार को सालासर बालाजी धाम पहुंचकर दर्शन किए और प्रदेश की खुशहाली और आगामी विधानसभा उपचुनाव में सातो सीटों पर भाजपा की विजय के लिए पूजा-अर्चना की । इस अवसर पर मंदिर प्रशासन पदाधिकारियों ने मदन राठौड़ को तिलक निकालकर दुपट्टा पहनाया और विशेष पूजा कराई। पार्टी पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने राठौड़ का गर्म जोशी से स्वागत किया।

भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ ने रविवार को सालासर बालाजी धाम पहुंचकर दर्शन किए और पूजा-अर्चना की ।

प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की रीति-नीति में देश का युवा विश्वास जता रहा है। प्रधानमंत्री मोदी ने जिस तरह से देश की आंतरिक और ब्राह्य सुरक्षा को मजबूत करने का काम किया है, उसी प्रकार वैश्विक पटल पर भी राष्ट्र का मान बढ़ाया है। देश का युवा, महिला, किसान और गरीब हर वर्ग मोदी की योजनाओं से लाभान्वित हो रहा है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राजस्थान का चहुंमुखी विकास हो रहा है जो राजस्थान में सुरक्षा और स्थिरता के नए आयाम स्थापित कर रहा है। मदन राठौड़ ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी की पंच निष्ठाओं को मानते हुए कार्यकर्ता पार्टी की रीति-नीति पर विश्वास करता है। इन ही कार्यकर्ताओं की बदौलत आज भाजपा सुदृढ़ संगठन बन पाया है। भाजपा देश के अन्य राजनीतिक दलों से पूर्ण रूप से भिन्न है, क्योंकि यहां पारदर्शी रूप से आतंरिक लोकतंत्र की कार्य पद्धति पर कार्य किया जाता है। भाजपा के जिम्मेदार कार्यकर्ताओं को उपचुनावों के साथ संगठन चुनावों की भी जिम्मेदारी निभानी होगी। राठौड़ ने कहा कि उपचुनावों में भाजपा की सभी सातों सीटों पर जीत से जहां सरकार को ओर अधिक मजबूती मिलेगी, वहीं दूसरी ओर कार्यकर्ताओं के उत्साह में भी अभूतपूर्व वृद्धि देखने को मिलेगी।

बदमाशों ने युवक से मोबाइल छीना

जयपुर। लाल कोठी इलाके में बस का इंतजार कर रहे युवक का बाइक सवार बदमाश मोबाइल छीन कर फरार हो गए।सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने बाइक सवार बदमाशों की तलाश में नाकाबंदी भी कराई लेकिन बाइक सवार बदमाशों का कुछ पता नहीं चला। पुलिस ने पीड़ित की शिकायत पर मामला दर्ज कर बदमाशों की तलाश शुरु कर दी है।

पुलिस ने बताया कि महावीर नगर दुर्गापुरा निवासी अवधेश दाधिच गुरुवार सुबह 10 बजे अमजेरी गेट बस स्टैण्ड पर बस के इंतजार में खड़ा था। तभी बाइक सवार दो बदमाश आए और उसके हाथ से मोबाइल फोन छीनकर उसे धक्का देकर फरार हो गए। पीड़ित ने बदमाशों को पकड़ने के लिए शोर मचाया, लेकिन तेज रफ्तार बाइक सवार बदमाश कुछ ही देर में आंखों से ओझल हो गए। घबराहट में पीड़ित बाइक के नंबर भी नहीं देख पाया।

महाराजा सवाई जयसिंह द्वितीय के कृतित्व और व्यक्तित्व पर विद्वानों ने साझा किए अपने विचार

- **राजस्थानी कवियों ने ढुंढाड़ी भाषा में सुंदर काव्य पाठ से समां बांधा**

जयपुर। जयपुर के संस्थापक, महाराजा सवाई जयसिंह द्वितीय की जयंती के उपलक्ष में रविवार को सिटी पैलेस के सर्वतोभद्र चौक में व्याख्यान एवं काव्य पाठ का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विद्वानों ने महाराजा सवाई जयसिंह द्वितीय के कृतित्व एवं व्यक्तित्व पर प्रकाश डाला और राजस्थानी कवियों ने ढुंढाड़ी भाषा में सुंदर काव्य पाठ से समां बांध दिया।

कार्यक्रम की शुरुआत महाराजा सवाई जयसिंह द्वितीय की तस्वीर पर सामने पुष्पांजलि अर्पित करने और दीप प्रज्वलन के साथ हुई। इसके पश्चात सभी अतिथियों का माला पहनाकर स्वागत सत्कार किया गया। कार्यक्रम का आयोजन महाराजा सवाई मान सिंह (एमएसएमएस) द्वितीय संग्रहालय और संग्रहालय के चेयरमैन, हिज हाइनेस महाराजा सवाई पद्मनाभ सिंह की पहल पर हुआ।

इस अवसर पर एमएसएमएस द्वितीय संग्रहालय की कार्यकारी ट्रस्टी, रमा दत्त ने अपने स्वागत संबोधन में कहा कि यह हम सभी के लिए गर्व का विषय है कि महाराजा सवाई जयसिंह द्वितीय द्वारा बसाये गए जयपुर शहर को यूनेस्को द्वारा वर्ल्ड हैरिटेज सिटी के रूप में पहचान मिली है। महाराजा सवाई जयसिंह द्वितीय एक असाधारण व्यक्तित्व थे, जिन्हें एस्ट्रोनॉमी, गणित, ज्योतिष, वास्तुकला और खगोल विज्ञान का अद्भुत ज्ञान था। उन्होंने अपनी राजधानी जयपुर सहित भारत के कई स्थानों पर जंतर मंतर ऑब्जर्वेटरीज का निर्माण भी कराया। संस्कृत कॉलेज के सेवानिवृत्त प्रिंसिपल, सुभाष चंद्र शर्मा ने महाराजा सवाई जयसिंह द्वितीय के इतिहास पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि किस प्रकार से 11 वर्ष की अल्प आयु में महाराजा सवाई जयसिंह द्वितीय ने राज्यभार संभाला था और उन्हें औरंगजेब से सवाई की उपाधि मिली थी। उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि सवाई जयसिंह द्वितीय पहले ऐसे शासक थे, जिन्होंने 105 कुंडीय यज्ञ सम्पन्न कराया था।

वरिष्ठ साहित्यकार एवं पत्रकार, जितेंद्र सिंह शेखावत ने बताया कि पृथ्वी राज चौहान के बाद महाराजा सवाई जयसिंह द्वितीय पहले ऐसे राजा थे, जिन्होंने हिंदू धर्म को आगे बढ़ाने के लिए सभी हिंदू शासकों को एक साथ लाने का प्रयास किया।

उन्होंने बताया कि जयपुर के संस्कृत साहित्य संरक्षण और वैदिक विद्वानों पर एक पुस्तक लिखी गई है, जिसका जल्द ही विमोचन किया जाएगा। सिटी पैलेस के कला एवं संस्कृति, ओएसडी, एवं वैदिक चित्रकार रामू रामदेव ने अपने द्वारा चित्रों के माध्यम से महाराजा सवाई जयसिंह द्वितीय की जीवनी, जंतर-मंतर और अश्वमेध यज्ञ पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि महाराजा सवाई जयसिंह कला प्रेमी थे और उन्होंने देश भर से कलाकारों को जयपुर में लाकर बसाया। इसके अतिरिक्त, उन्होंने उनकी कला के नाम से मोहल्ले भी बनवाए और उनकी आजीविका की व्यवस्था भी की।

देश-विदेश के 44 कलाकार जयपुर में उकेरेंगे आकृतियां

जयपुर (कासं)। राजधानी जयपुर में देश-विदेश के 44 कलाकारों की अनूठी कला यात्रा रविवार को शुरू हुई। इस यात्रा में यह कलाकार जयपुर की कला-संस्कृति का वॉटरकलर वर्कशॉप टूर के जरिए जीवंत करेंगे। आयोजक शिखा गर्ग ने बताया कि इस यात्रा के तहत रविवार शाम को देश-विदेश के कलाकर जयपुर पहुंचे।

भारत के साथ-साथ स्वीडन, यूएसए, आस्ट्रेलिया, ताइबान और थाइलैंड के कलाकारों की कला यात्रा सोमवार को होटल ग्रांड उनियारा में शुरू होगी, जिसमें अंतरराष्ट्रीय पुरस्कार विजेता वॉटरकलरिस्ट सभी कलाकारों वाटर कलर से पेंटिंग बनाना सिखाएंगे। शिखा गर्ग ने बताया कि यह वर्कशॉप पूरे दिन चलेगी। 4 नवंबर को सभी कलाकर सुबह 8 बजे सबसे पहले जलमहल पर वाटर कलर से पेंटिंग बनाएंगे। इसमें आमेर -नाहरगढ की पेंटिंग बनाएंगे। प्रतिभागियों को जयपुर की संस्कृति और सुंदर धरोहर जानने ओर उससे पेंटिग में उतारने का अवसर मिलेगा। चूंकि जयपुर की शानदार वास्तुकला और समृद्ध इतिहास पूरी दुनिया के लिए उदाहरण है। कलाकार अंतरराष्ट्रीय पुरस्कार विजेता वॉटरकलरिस्ट एंडी एवांसन के मार्गदर्शन में अपनी कला कौशल को निखार सकेंगे। एंडी लैंडस्केप्स, रोशनी एवं छाया के खास प्रयोग के लिए जाने जाते हैं।

मस्तान बाबा का 3 दिवसीय उर्स पांच नवंबर से

जयपुर। अलहाज अमीर अब्दुल्ला खान उर्फ मस्तान बाबा का सालाना 19 वां उर्स मुबारक मंगलवार से यहां दिल्ली रोड स्थित चुंगी नाका दरगाह परिसर में शुरू होगा। दरगाह खादिम करीम शेख़ के मुताबिक, तीन दिवसीय उर्स के पहले दिन सुबह कुरआनख्वानी और रात में मीलाद शरीफ पढ़ा जाएगा।

उर्स के दूसरे दिन महफिल-ए-समा में शहर की कव्वाल पार्टियां कौल, नात, मनकबत आदि सूफी कलामों का गुलदस्ता पेश करेंगी। इसी दिन फूर्टा-खुर्रा स्थित लाल हवेली से चादर शरीफ पेश की जाएगी। इसके साथ ही महफिल-ए-कव्वाली भी होगी, जिसमें अमीन साबरी कव्वाल अपनी प्रस्तुति देंगे। उर्स के समापन पर तीसरे दिन यहां चार दरवाजा स्थित डागर हाउस से मस्तान बाबा के आस्ताने पर चादर शरीफ पेश की जाएगी। इस दौरान डागर हाउस में कव्वाली भी होगी।

सफाई कर्मचारी भर्ती को लेकर वाल्मीकि समाज विरोध करेगा

जयपुर। अखिल भारतीय सफाई मजदूर कांग्रेस के बैनर तले वाल्मीकि समाज की ओर से सफाई कर्मचारी भर्ती सहित विभिन्न मांगों को लेकर सोमवार को एक विशाल धरना-प्रदर्शन करने जा रहा है। यह विशाल धरना-प्रदर्शन गवर्नमेंट हॉस्टल शहीद स्मारक पर दिया जाएगा।

अखिल भारतीय सफाई मजदूर कांग्रेस अध्यक्ष और पूर्व अध्यक्ष राज्य सफाई कर्मचारी आयोग किशनलाल जैदिया ने बताया कि वाल्मीकि समाज कई मांगों को लेकर सोमवार को गवर्नमेंट हॉस्टल शहीद स्मारक पर विशाल धरना-प्रदर्शन करने जा रहा है। वर्तमान में चल रही सफाई भर्ती प्रक्रिया में समझौता शर्तो की पालना नहीं किए जाने से सफाई कर्मचारियों में आक्रोश व्याप्त है। जिसके चलते वाल्मीकि समाज के लोग विरोध प्रदर्शन में वह भाजपा सरकार से यह मांग करेंगे कि सफाई भर्ती प्रक्रिया में वाल्मीकि समाज के अभ्यर्थियों को प्राथमिकता दी जाए और साथ ही आवेदन की तिथि बीस दिन बढ़ाई जाए। इसके अलावा सफाई कर्मचारियों की भर्ती मस्टररोल के आधार पर की जाए।

जिसमें एक साल तक पहले कर्मचारी से काम करवाया जाए, उसके बाद नियुक्ति दी जाए। साथ ही पूर्व की जिन भर्तियों में कोर्ट में मामला विचाराधीन है या जिन पर निर्णय हो चुका है उनमें नियुक्ति के आदेश जारी किए जाए। किशनलाल जैदिया ने बताया कि भर्ती में वाल्मीकि समाज को अनदेखा किया गया है। वाल्मीकि समाज का हक छीनकर अन्य को वरीयता दी जा रही है, जो सरासर गलत है अगर सरकार इस मामले में कोई कार्रवाई नहीं करती है कि तो सम्पूर्ण राजस्थान में वाल्मीकि समाज द्वारा प्रशासन के खिलाफ उग्र आंदोलन किया जायेगा। जिसकी जिम्मेदारी प्रशासन की होगी।

10 लाख रुपए से अधिक के विकास कार्यों के लिए डिफेक्ट लाइबिलिटी पीरियड तय किया

- **राज्य सरकार ने विकास प्राधिकरण, आवासन मंडल और नगर विकास न्यासों के लिए बनाया नियम**

जयपुर। राजधानी जयपुर समेत प्रदेश के कई शहरों में विकास कार्यों की गुणवत्ता पर सवाल उठते रहे हैं। रखरखाव, मॉनिटरिंग मामले में एकरूपता नहीं होने से इंजीनियर व प्रशासनिक अफसर भी घिरते रहे। ऐसी स्थिति को दूर करने के लिए राज्य सरकार ने पहली बार विकास प्राधिकरण, आवासन मंडल और नगर विकास न्यासों के काम पर डिफेक्ट लायबिलिटी पीरियड (डीएलपी यानि अनुबंधित फर्म द्वारा ठीक करने की मियाद) एक समान रूप से लागू कर दिया है।

इसमें विकास कार्यों की गुणवत्ता और अनुबंधित फर्म की जिम्मेदारी के लिए एक समान नियम होंगे। डी.एल.पी. 6 माह से 5 वर्ष तक रहेगी। 10 लाख रुपए से अधिक लागत के कार्यों पर यह लागू होगा। सड़कों के पेच रिपेयर में यह नियम लागू नहीं होगा। नगरीय विकास एवं आवासन विभाग ने इस संबंध में आदेश जारी कर दिए हैं। अभी तक हर निकाय ने अपने-अपने नियम बनाए हुए हैं।

सूत्रों की मानें तो यदि कार्य 10 लाख रुपए से कम का है, लेकिन अतिरिक्त कार्य के कारण उसकी लागत 10 लाख रुपए से अधिक हो जाती है तो उस पूरे काम पर डी.एल.पी. का नियम लागू होगा। यदि कार्य 10 लाख रुपए से अधिक का था, लेकिन काम पूरा होते समय किसी कारणवश उसकी लागत 10 लाख रुपए से कम रह जाती है तो डीएलपी का नियम काम पूरा होने के बाद छह महीने तक या मानसून तक, दोनों में जो भी भी बाद में उस अवधि तक लागू रहेगा।

आदेश के मुताबिक फ्लाईओवर व आरओबी पर यह समयावधि 5 वर्ष होगी। इसके अलावा क्रॉस ड्रेनेज वर्क, सीमेंट कंक्रीट सड़क, पेवमेंट क्वलिटी कंक्रीट, सीमेंट कंक्रीट टाइल्स, कर्ब स्टोन, मीडियन व नाला निर्माण पर भी डिफेक्ट लाइबिलिटी पीरियड 5 वर्ष का रहेगा। टू लेयर डब्ल्यूबीएम, जीएसबी सड़क निर्माण 6 माह या मानूसन तक (दोनों में से जो अवधि बाद में हो) रहेगा। सड़क नवीनीकरण, 30 एम.एम. मोटाई की डामर सड़क पर यह समयावधि 2 वर्ष होगी। 30 से लेकर 90 एममए मोटाई वाली डामर सडक के लिए यह समयाविध 3 वर्ष रखी गई है। इसी प्रकार चारदिवारी निर्माण कार्य के लिए 3 वर्ष, 90 एमएम से अधिक मोटाई वाली सड़क संबंधी कार्य के लिए 5 वर्ष, 90 एमएम तक की मोटाई वाली नई डामर सड़क के लिए 3 वर्ष, 90 एमएम से अधिक मोटाई वाली नई डामर सड़क के लिए 5 वर्ष तथा सैनेट्री, विद्युत व पेंटिंग कार्य के लिए 3 वर्ष तय किए गए हैं। जबकि भवन निर्माण-अन्य सिविल कार्य के लिए यह समयावधि 5 वर्ष होगी।